दैनिक जागरण कानपुर देहात 12/10/2022

बाजरे की फसल में लगा कीड़ा

धान में झुलसा रोग का खतरा

कृषि विज्ञानियों ने समय पर खेतों से पानी निकासी करने की दी सलाह

जागरण संवाददाता, कानपुर देहात : जिले में बाजरे की फसल में कीड़े लगने लगे हैं, जिससे उत्पादन बेहद कम हो जाएगा। वहीं वर्षा के बाद से धान में झुलसा रोग का खतरा भी मंडरा रहा है। कृषि विज्ञानियों ने समय खेतों से पानी निकासी करने की सलाह दी है साथ ही दवा छिड़काव करने को कहा है।

बाजरे की बाली में लगे कीड़े व बाजरे की फसल देखते कृषि विज्ञानी ● खलील खान

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि विज्ञानी डा. खलील खान व डा. विनोद प्रकाश ने वर्षा के बाद खेतों में खड़ी फसलों के प्रबंधन के लिए किसान के लिए निर्देश जारी किया है। डा. खलील खान ने बताया कि किसान खड़ी फसल में यदि पानी भरा हो तो तुरंत जल निकासी की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि वर्षा के बाद सब्जी फसलों में जड़ गलन बीमारी की समस्या आ सकती है। धान की फसल में झुलसा एवं जीवाणु झुलसा जैसे रोगों की संभावना है। ऐसी स्थिति में किसान भाई 0.1 प्रतिशत कार्बेंडाजिम दवा का छिड़काव अवश्य करें साथ ही बाजरे की बालियों में कीड़ा कई जगह लगने की बात सामने आ रही है।कहीं-कहीं पर कीड़े फसल पर देखे गए हैं। जो दानों को खा कर के नष्ट करते हैं। इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल अथवा क्यूनालफास 25 ईसी 1.5 लीटर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर दें।इससे फसल की सुरक्षा की जा सके और फसल हानि से बचा जा सके।

WORLD खबर EXPRESS

WORLD खबर एक्सप्रेस

बुधवार 12 अक्टूबर 2022 | अंक - 269

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

www.twitter.com/worldkhabarexpress www.facebook.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress MID D

असामयिक वर्षा के उपरांत खेतों में खड़ी फसल का करें प्रबंधन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ खलील खान एवं डॉ विनोद प्रकाश ने संयुक्त रूप से वर्षा के उपरांत खेतों में खड़ी फसलों के प्रबंधन हेतु किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। डॉक्टर खान ने बताया कि किसान भाई खड़ी फसल में यदि पानी भरा हो तो अभिलंब जल निकासी की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि वर्षा के उपरांत सब्जी फसलों में जड़ गलन बीमारी की समस्या आ सकती है तथा धान की फसल में झुलसा एवं जीवाणु झुलसा जैसे रोगों की संभावना है। ऐसी स्थिति में किसान भाई 0.1 प्रतिशत कार्बेंडाजिम दवा का छिड़काव अवश्य करें। साथ ही बाजरे की बालियों में कीड़ा लगने की भी प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि कहीं-कहीं पर कीड़े फसल पर देखे गए हैं। जो दानों को खा कर के नष्ट करते हैं। इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल अथवा क्यूनालफास 25 ईसी 1.5 लीटर दवा को

500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर दें। जिससे कि फसल की सुरक्षा की जा सके और फसल हानि से बचा जा सके।

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

असामयिक वर्षा के उपरांत खेतों में खड़ी फसल का करें प्रबंधन

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस कानपुर देहात।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकीविश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलील खान एवं डॉ विनोद प्रकाश ने संयुक्त रूप से वर्षा के उपरांत खेतों में खड़ी फसलों के प्रबंधन हेतु किसान

भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी की है।डॉ खान ने बताया कि किसान भाई खड़ी फसल में यदि पानी भरा हो तो अभिलंब जल निकासी की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि वर्षा के उपरांत सब्जी फसलों में जड़ गलन बीमारी की समस्या आ सकती है तथा धान की फसल में झुलसा एवं जीवाणु झुलसा जैसे रोगों की संभावना है।ऐसी स्थिति में किसान भाई 0.1: कार्बेंडाजिम दवा का छिड़काव अवश्य करें।साथ ही बाजरे की बालियों में कीड़ा लगने की भी प्रबल संभावनाएं हैं। उन्होंने किसानों को बताया कि कहीं–कहीं पर कीड़े फसल पर देखे गए हैं। जो दानों को खा कर के नष्ट करते हैं। इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल अथवा क्यूनालफास 25 ईसी 1.5 लीटर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव कर दें।जिससे कि फसल की सुरक्षा की जा सके और फसल हानि से बचा जा सके।

लखनऊ | वर्ष: 14 | अंक: 04 | मूल्य: ₹ 3.00/- पेज : 12 | बुधवार | 13 अक्टूबर, 2022

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

कृषि वैज्ञानिकों ने खड़ी फसल बचाने के उपाय बताए

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के कृषि वैज्ञानिक डॉ.खलील खान एवं डॉ. विनोद प्रकाश ने संयुक्त रूप से बुधवार को वर्षा के उपरांत खेतों में खड़ी फसलों के प्रबंधन के लिए एडवाइजरी जारी की। डॉ.खान ने बताया कि किसानों को खड़ी फसल में पानी भरा होने पर अविलंब जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षा के बाद सब्जी फसलों में जड़ गलन बीमारी की समस्या हो सकती है तथा धान की फसल में झुलसा एवं जीवाणु झुलसा जैसे रोग लग सकते हैं। उन्होंने किसानों को इससे बचाव के लिए 0.1 फीसदी कार्बेंडाजिम दवा का छिड़काव करने की सलाह दी। उन्होंने बाजरे की बालियों में कीड़ा लगने की संभावना होने पर इसके नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एसएल अथवा क्यूनालफास 25 ईसी 1.5 लीटर दवा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करने की बात कही।